



STD 05278 V.C. 246223, 246330 (O)
05278 V.C. 246224, 245209 (R)
Fax V.C. 246330(O), 245209(R)
Registrar- 245957(O), 246042(R)
F.O.- 246386(O)

डॉ राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या (उ०प्र०)

DR. RAMMANOHAR LOHIA AVADHUNIVERSITY, AYODHYA (U.P.)

अमर उजाला माईसिटी, अयोध्या

दिनांक: 17 जनवरी, 2021

पृष्ठ संख्या: 02

अमरउजाला

my
city

अयोध्या

रविवार ■ 17
lucknow.amarujala

राष्ट्र भक्ति की मनमोहक धुनों से भरा जोश

अवध विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में डोगरा रेजीमेंट के आर्मी बैंड ने दी रानदार प्रस्तुति

संचालन न्यूज एजेंसी

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में इनवार की मध्याह्न 12 बजे आर्मी बैंड शो का आयोजन किया गया। इस दौरान राष्ट्र भक्ति से जुड़े कई धुनों पर मनमोहक प्रस्तुति ने देश प्रेम से औप्राप्ति कर दिया।

गण्डीजी धुनों में प्रमुख प्रस्तुति में टीम का नेतृत्व कर रहे स्थानीय मार्गीलाल ने विदेशीतम व तन तो लिए, देव शिखा वा वा मार्गे जीसे गीत प्रस्तुत किए। इसी क्रम में हवलदार अमर सिंह द्वारा गण भीपती एवं करम-कदम बड़ाए, जो की मनमोहक प्रस्तुति थी। हवलदार सुरजीत सिंह द्वारा सरकरीयों की तरफना अपने हाथों द्वित में ही और ताकत वान की इमर्से है से श्रोताओं को भावविचार कर दिया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रौ. गीवेशकर सिंह ने भारतीय सेना के अभूतपूर्व बलिदान पर प्रकाश डालते



अवध विश्वविद्यालय में आर्मी बैंड शो का हुआ आयोजन। इस दौरान कुलपति समेत शिक्षक व छान्त-छान्नाएं मौजूद हैं।

लए कहा कि देश की सीमाएं सुरक्षित समापन आर्मी बैंड पाटी द्वारा जन नग मन की धून से किया गया। इसका ऐय भारत की बलिदानी सेना को जाता है। भारतीय सेना के अवसर पर कुलभूतिव उत्तमाध्य, विव समर्पण एवं घोषणादान को शब्दों में अधिकारी धनञ्जय सिंह, व्यक्ति नहीं किया जा सकता। स्वामी उपकुलभूतिव विव तुमारा सिंह, सम्हालक कुलभूतिव यो. साहिल, प्रौ. शुक्र, प्रौ. चयन कुमार भिन्न अवसर के लिए प्रतिबद्ध हैं। कार्यक्रम का आदि पौराण रहे।

संयुक्त राष्ट्र में भी कर चुका देश का प्रतिनिधित्व
डोल रेजीमेंट में विद्युत आर्मी के समर का स्थापित बैंड प्रतिनिधित्व माना जाता है। वह बैंड मनुक गढ़ संघ जैसे प्रतिनिधित्व अंतर्राष्ट्रीय संघराजों में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुका है। आर्मी जन्म के इतिहास से मनुक इस बैंड की स्थापना 1956 में लखनऊ मिलने की गई थी। भारत के प्रतिनिधित्व डोल रेजीमेंट को राष्ट्रीय भवन के साथ अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों में भी अन्वयन द्वारा भाग लिया जाता है। ये संघ भारत मिशन, उन्नत भारत व अन्य विभिन्न अधिकारी में भी महाभित्ति निरावृद्ध है। प्रौ. सिंह ने जाना कि हानु स्टडी सेंटर के माध्यम से अयोध्या बंदल के सभी अवसरपत्र डाज-डाजाओं एवं प्रशासनिक सेवाओं में कार्यरत अधिकारी, कर्मचारी जो नौकरी के साथ अपनी शिक्षा को बढ़ावा द्दाते हैं इन्हें इसका लाभ मिलेगा।

नैक मूल्यांकन में ड्रग्न
को ए-लस्स एल्स ग्रेड

अयोध्या। इंदिरा गांधी गांधीय मुक्त विश्वविद्यालय को गांधीय मूल्यांकन और प्रशासनिक परिवर्त (कैर) ने दूसरी शिक्षा के लिए ए-लस्स लास का बैंड प्रस्तुत किया। अकाल विश्वविद्यालय के हानु स्टडी सेंटर के सम्बन्धक प्रौ. दिव्यांशु शंकर निलं ने बालया विद्या जनवरी को जून के सदृश्यों ने इन्हूं मुख्यालय दिल्ली व लैंड्रेव के द्वारा का निर्णय किया। जिसमें हानु स्टडी सेंटर अवध्या का भी प्रस्तुतीकरण दीर्घ के सम्बन्धों के साथ किया गया था। इसमें दूसरी शिक्षा के क्षेत्र में हिए एग कार्य, विद्यालय लहाना सेवाओं, विजिटर शिक्षा, अन्वयन शिक्षा, हानु जन कोष, ई-केंटेंट व ए प्रस्तुतीकरण दीर्घ के सम्बन्धों के साथ किया गया था। उक्लन विद्यालय में विद्यार्थी सेवाओं के लिए उत्तमाध्यक शिक्षा और ई-लैंड्रेव शिक्षियों के अयोजन के हिए बैंड प्रतिनिधित्व किया गया है। हानु ने दूसरी शिक्षा भारत मिशन, उन्नत भारत व अन्य विभिन्न अधिकारी में भी महाभित्ति निरावृद्ध है। प्रौ. सिंह ने जाना कि हानु स्टडी सेंटर के माध्यम से अयोध्या बंदल के सभी अवसरपत्र डाज-डाजाओं एवं प्रशासनिक सेवाओं में कार्यरत अधिकारी, कर्मचारी जो नौकरी के साथ अपनी शिक्षा को बढ़ावा द्दाते हैं इन्हें इसका लाभ मिलेगा।

जनाभास, लखनऊ

दिनांक: 17 जनवरी, 2021

पृष्ठ संख्या: 04

भारतीय सेना से देश की सीमाएं चहुओर सुरक्षित: कुलपति प्रो० रविशंकर सिंह



धनंजय मिश्रा

जनाभास, अयोध्या | डॉ० रामननोहर लोहिया अवघ विश्वविद्यालय के स्थामी विदेकान्द समागम में आज 16 जनवरी, 2021 को अपराह्न 12 बजे आर्मी बैड शो का आयोजन किया गया। डोगरा रेजीमेंट में स्थापित 17 वां 1877 ब्रिटिश आर्मी के समय का प्रतिचित्रण बैड मान जाता है। यह बैड संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी प्रतिचित्रण अन्तरराष्ट्रीय संगठनों में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुका है।

शौर्य गाथा के इतिहास से समृद्ध इस

बैड की स्थापना 1956 में लखनऊ सिंह द्वारा मेट्र में की गई थी। भारत के प्रतिचित्रण बैड डोगरा रेजीमेंट को राष्ट्रपति भवन के साथ अन्तरराष्ट्रीय आयोजनों में भी देश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिल चुका है। आज के आयोजन में साढ़ीय भक्ति से जुड़े कई धुनों पर मनमोहक प्रस्तुति ने देश प्रेम से ओत प्रोत कर दिया। राष्ट्रीय धुनों में प्रमुख प्रस्तुति में टीम का नेतृत्व कर रहे सुबेदार मोतीलाल ने वंदेमातरम् ए वतन तेरे लिए, देव

शिवा वर मोहे, कंसरी एवं संदेश आते हैं एवं सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तान हमारा जैसी गीत धुनों ने शानदार प्रस्तुति की। इसी क्रम में हवलदार अमर सिंह द्वारा राग मोपाली एवं कदम कदम बढ़ाये जाए एक राग की मनमोहक प्रस्तुति की। हवलदार कई धुनों पर मनमोहक प्रस्तुति ने देश सुरजीत सिंह द्वारा सर फरेशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है, एवं ताकत वतन की हमसे है की प्रस्तुति कर श्रोताओं को भाविगमर कर दिया। कार्यक्रम के स्वागत प्रो० शैलेन्द्र कुमार वर्मा ने किया। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। धन्यवाद ज्ञापन अधिष्ठाता छाव

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० रविशंकर सिंह ने भारतीय सेना के अनूठपूर्व बलिदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश की सीमाएं चहुओर सुरक्षित हैं। इसका श्रेय भारत की बलिदानी सेना को जाता है। भारतीय सेना के समर्पण एवं योगदान को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। कार्यक्रम का स्वागत प्रो० शैलेन्द्र कुमार वर्मा ने किया। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। धन्यवाद ज्ञापन अधिष्ठाता छाव

कल्याण प्रो० नीतम पाठक ने किया। एवं संचालन इंजीनियर मनीषा यादव द्वारा किया गया। कार्यक्रम का समापन आर्मी बैड गार्ड द्वारा जन गण मन की धुन से किया गया। इस अवसर पर कुलसंचिव उमानाथ, वित्त अधिकारी धनजय सिंह, उपकुलसंचिव विनय कुमार सिंह, सहायक कुलसंचिव मो० साहिल, प्रो० अशोक शुक्ल, प्रो० चयन कुमार मिश्र, प्रो० एसएस मिश्र, प्रो० आरके तिवारी, प्रो० आरके सिंह, डॉ० नरेश चौधरी, डॉ० गीतिका श्रीवास्तव, डॉ० विजयेन्द्र चतुर्वेदी, डॉ० श्रीश अस्थाना, डॉ० राजेश सिंह कुशवाहा, डॉ० आरएन पाण्डेय, डॉ० अंगुमान पाठक, डॉ० महेन्द्र पाल सिंह, डॉ० रामजी सिंह, डॉ० निमिष मिश्र, डॉ० संजीत पाण्डेय, इंजीनियर राजीव कुमार, डॉ० अनिल विश्वा, देवेन्द्र वर्मा, डॉ० कपिलदेव, डॉ० आशुरोप पाण्डेय, डॉ० करुणेश तिवारी, कर्मचारी संघ के राजेश पाण्डेय, डॉ० राजेश सिंह, गिरीशचंद्र पंत, सुरेन्द्र प्रसाद, मनोज श्रीवास, केंके मिश्र सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रही।

बहराइच दर्शन

दिनांक: 17 जनवरी, 2021

पृष्ठ संख्या: 06

अवध विश्वविद्यालय में आर्मी बैंड शो का हुआ आयोजन

भारतीय सेना से देश की सीमाएं चहुओर सुरक्षित: कुलपति प्रो० रविशंकर सिंह

रिपोर्ट सर्वेश श्रीवास्तव
अयोध्या। डॉ० राममनोहर
लोहिया अवध विश्वविद्यालय के
स्वामी विवेकानन्द सभागार में
आज 16 जनवरी, 2021 को
अपराह्न 12 बजे आर्मी बैंड शो
का आयोजन किया गया। डोगरा
रेजीमेंट में स्थापित 17 वां 1877
ब्रिटिश आर्मी के समय का
प्रतिष्ठित बैंड माना जाता है।
यह बैंड संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी
प्रतिष्ठित अन्तरराष्ट्रीय संगठनों
में भारत का प्रतिनिधित्व कर
चुका है। शौर्य गथा के इतिहास
से समृद्ध इस बैंड की रसापना
1956 में लखवीर सिंह द्वारा
मेरठ में की गई थी। भारत के
प्रतिष्ठित बैंड डोगरा रेजीमेंट
को राष्ट्रपति भवन के साथ
अन्तरराष्ट्रीय आयोजनों में भी
देश का प्रतिनिधित्व करने का
अवसर मिल चुका है।

आज के आयोजन में राष्ट्रीय
भक्ति से जुड़े कई धुनों पर
मनमोहक प्रस्तुति ने देश प्रेम
से ओत प्रोत कर दिया। राष्ट्रीय
धुनों में प्रमुख प्रस्तुति में टीम



का नेतृत्व कर रहे सुवेदार
मोतीलाल ने वंदेमातरम् ए वतन
तेरे लिए, देव शिवा वर मोहे,
केसरी एवं संदेशो आते हैं एवं
सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तान
हमारा जैसी गीत धुनों ने शानदार
प्रस्तुति की। इसी क्रम में
हवलदार अमर सिंह द्वारा राग
भोपाली एवं कदम कदम बढ़ाये

जाए एक राग की मनमोहक
प्रस्तुति की। हवलदार सुरजीत
सिंह द्वारा सर फरोशी की तमन्ना
अब हमारे दिल में है, एवं ताकत
वतन की हमसे है की प्रस्तुति
कर श्रोताओं को भावविभोर कर
दिया।

कार्यक्रम के अध्यक्षीय उद्बोधन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० रविशंकर सिंह ने भारतीय सेना के अभूतपूर्व बलिदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश की सीमाएं चहुओर सुरक्षित हैं। इसका श्रेय भारत की बलिदानी सेना को जाता है। भारतीय सेना के समर्पण एवं योगदान को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता।

वा महासभा के तत्वा क्रिकेट टूर्नामेंट प्रारम्भ

इस क्रिकेट टूर्नामेंट में शनिवार संबंध में महासभा के अध्यक्ष व जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी
को पहले मैच का मुकाबला

कार्यक्रम का स्वागत प्रो० शैलेन्द्र कुमार वर्मा ने किया। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कल्याण प्रो० नीलम पाठक ने किया। एवं संचालन इंजीनियर मनीष यादव द्वारा किया गया। कार्यक्रम का समापन आर्मी बैंड पार्टी द्वारा जन गण मन की धुन से किया गया। इस अवसर पर कुलसचिव उमानाथ, वित्त अधिकारी धनजंय सिंह, उपकुलसचिव विनय कुमार सिंह, सहायक कुलसचिव मौ० साहिल, प्रो० अशोक शुक्ल, प्रो० चयन कुमार मिश्र, प्रो० एसएस मिश्र, प्रो० आरके तिवारी, प्रो० आरके सिंह, डॉ० नरेश चौधरी, डॉ० गीतिका श्रीवास्तव, डॉ० विजयेन्द्र चतुर्वदी, डॉ० श्रीश अस्थाना, डॉ० राजेश सिंह कुशवाहा, डॉ० आरएन पाण्डेय, डॉ० अंशुमान पाठक, डॉ० महेन्द्र पाल सिंह, डॉ० रामजी सिंह, डॉ० निमिष मिश्र, डॉ० संजीत पाण्डेय, इंजीनियर राजीव कुमार, डॉ० अनिल विश्वा, देवेन्द्र वर्मा, डॉ० कपिलदेव, डॉ० आशुतोष पाण्डेय, डॉ० करुणेश तिवारी, कर्मचारी संघ के राजेश पाण्डेय, डॉ० राजेश सिंह, गिरीशचंद्र पंत, सुरेन्द्र प्रसाद, मनोज श्रीवास, कक्ष मिश्र सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रही।

स्वतंत्र भारत, लखनऊ

दिनांक: 17 जनवरी, 2021

पृष्ठ संख्या: 08

अवधि विश्वविद्यालय आर्मी बैंड शो का हुआ आयोजन

‘अयोध्या (ब्यूरो)। डॉ० राममनोहर लोहिया अवधि विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानन्द सभागार में आज 16 जनवरी, 2021 को अपराह्न 12 बजे आर्मी बैंड शो का आयोजन किया गया। डोगरा रेजीमेंट में स्थापित 17 वां 1877 ब्रिटिश आर्मी के समय का प्रतिष्ठित बैंड माना जाता है। यह बैंड संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी प्रतिष्ठित अन्तरराष्ट्रीय संगठनों में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुका है। शौर्य गथा के इतिहास से समृद्ध इस बैंड की स्थापना 1956 में लखबीर सिंह द्वारा मेरठ में की गई थी। भारत के प्रतिष्ठित बैंड डोगरा रेजीमेंट को राष्ट्रपति भवन के साथ अन्तरराष्ट्रीय आयोजनों में भी देश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिल चुका है। आज के आयोजन में राष्ट्रीय भक्ति से जुड़े कई धुनों पर मनमोहक प्रस्तुति ने देश प्रेम से ओत प्रोत कर दिया। राष्ट्रीय धुनों में प्रमुख प्रस्तुति में टीम का नेतृत्व कर रहे सुबेदार मोतीलाल ने वंदेमातरम् ए वतन तेरे लिए, देव शिवा वर माहे, केसरी एवं सदेशो आते

है एवं सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तान हमारा जैसी गीत धुनों ने शानदार प्रस्तुति की। इसी क्रम में हवलदार अमर सिंह द्वारा राग भोपाली एवं कदम कदम बढ़ाये जाए एक राग की मनमोहक प्रस्तुति की। हवलदार सुरजीत सिंह द्वारा सर फरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है, एवं ताकत वतन की हमसे है की प्रस्तुति कर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम के अध्यक्षीय उद्घोथन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० रविशंकर सिंह ने भारतीय सेना के अभूतपूर्व बलिदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश की सीमाएं चहुओर सुरक्षित है। इसका श्रेय भारत की बलिदानी सेना को जाता है। भारतीय सेना के समर्पण एवं योगदान को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। कार्यक्रम का स्वागत प्रो० शैलेन्द्र कुमार वर्मा ने किया। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। धन्यवाद ज्ञापन अधिष्ठाता छत्र कल्याण प्रो० नीलम पाठक ने किया। एवं संचालन इंजीनियर मनोषा

यादव द्वारा किया गया। कार्यक्रम का समापन आर्मी बैंड पार्टी द्वारा जन गण मन की धुन से किया गया। इस अवसर पर कुलसचिव उमानाथ, वित्त अधिकारी धनजंय सिंह, उपकुलसचिव विनय कुमार सिंह, सहायक कुलसचिव मो० साहिल, प्रो० अशोक शुक्ल, प्रो० चयन कुमार मिश्र, प्रो० एसएस मिश्र, प्रो० आरके तिवारी, प्रो० आरके सिंह, डॉ० नरेश चैथरी, डॉ० गीतिका श्रीवास्तव, डॉ० विजयेन्दु चतुर्वेदी, डॉ० श्रीश अस्थाना, डॉ० राजेश सिंह कुशवाहा, डॉ० आरएन पाण्डेय, डॉ० अंशुमान पाठक, डॉ० महेन्द्र पाल सिंह, डॉ० रामजी सिंह, डॉ० निमिष मिश्र, डॉ० संजीत पाण्डेय, इंजीनियर राजीव कुमार, डॉ० अनिल विश्वा, देवेन्द्र वर्मा, डॉ० कपिलदेव, डॉ० आशुतोष पाण्डेय, डॉ० करुणेश तिवारी, कर्मचारी संघ के राजेश पाण्डेय, डॉ० राजेश सिंह, गिरीशचंद्र पंत, सुरेन्द्र प्रसाद, मनोज श्रीवास, केके मिश्र सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रही।

स्वतंत्र चेतना, अयोध्या

दिनांक: 17 जनवरी, 2021

पृष्ठ संख्या: 03

अवधविविमेंआर्मीबैंडशोकाहुआआयोजन



अयोध्या। अवध विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानन्द सभागार में 16 जनवरी को अपराह्न 12 बजे आर्मी बैंड शो का आयोजन किया गया। डोगरा रेजीमेंट में स्थापित 17 वां 1877 ब्रिटिश आर्मी के समय का प्रतिष्ठित बैंड माना जाता है। यह बैंड संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी प्रतिष्ठित अन्तरराष्ट्रीय संगठनों में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुका है। शौर्य गाथा के इतिहास से समृद्ध इस बैंड की स्थापना 1956 में लखवीर सिंह द्वारा मेरठ में की गई थी। भारत के

प्रतिष्ठित बैंड डोगरा रेजीमेंट को राष्ट्रपति भवन के साथ अन्तरराष्ट्रीय आयोजनों में भी देश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिल चुका है। इस आयोजन में राष्ट्रभक्ति से जुड़ी कई धुनों पर मनमोहक प्रस्तुति ने देश प्रेम से सभी को ओतप्रोत कर दिया। राष्ट्रीय धुनों में प्रमुख प्रस्तुति में टीम का नेतृत्व कर रहे सुबेदार मोतीलाल ने वंदेमातरम् ए वतन तेरे लिए, देव शिवा वर मोहे, केसरी एवं संदेशे आते हैं एवं सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तान हमारा जैसी गीत धुनों ने शानदार प्रस्तुति की।

इसी क्रम में हवलदार अमर सिंह द्वारा राग भोपाली एवं कदम कदम बढ़ाये जा, एक राग की मनमोहक प्रस्तुति की। हवलदार सुरजीत सिंह द्वारा सर फरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है, एवं ताकत वतन की हमसे है की प्रस्तुति कर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम के अध्यक्षीय उद्घोषण में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० रविशंकर सिंह ने भारतीय सेना के अभूतपूर्व बलिदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश की सीमाएं चहुंओर सुरक्षित हैं। इसका श्रेय भारत की बलिदानी सेना को जाता है। धन्यवाद ज्ञापन अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो० नीलम पाठक ने एवं संचालन इं० मनीषा यादव द्वारा किया गया। कार्यक्रम का समापन आर्मी बैंड पार्टी द्वारा जन गण मन की धुन से किया गया। इस अवसर पर कुलसचिव उमानाथ, वित्त अधिकारी धनजंय सिंह, उपकुलसचिव विनय कुमार सिंह, सहायक कुलसचिव मो० साहिल, प्रो० अशोक शुक्ल, प्रो० चयन कुमार मिश्र, प्रो० एसएस मिश्र, प्रो० आरके तिवारी, प्रो० आरके सिंह, डॉ० नरेश चौधरी, डॉ० गीतिका श्रीवास्तव आदि मौजूद थे।

त्रिगुट समाचार, गोण्डा

दिनांक: 17 जनवरी, 2021

पृष्ठ संख्या: 02

अवध विश्वविद्यालय में आर्मी बैंड शो का हुआ आयोजन

भारतीय सेना से देश की सीमाएं चहुओर सुरक्षितः कुलपति

डॉ नरेन्द्र बहादुर सिंह
अयोध्या। डॉ राममनोहर

लोहिया अवध विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में आज 16 जनवरी, 2021 को अपराह्न 12 बजे आर्मी बैंड शो का आयोजन किया गया। डोगरा रेजीमेंट में स्थापित 17 वां 1877 ब्रिटिश आर्मी के समय का प्रतिष्ठित बैंड माना जाता है। यह बैंड संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी प्रतिष्ठित अन्तरराष्ट्रीय संगठनों में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुका है। शौर्य गथा के इतिहास से समृद्ध इस बैंड की स्थापना 1956 में लखनऊर सिंह द्वारा मेरठ में की गई थी। भारत के प्रतिष्ठित बैंड डोगरा रेजीमेंट को राष्ट्रपति भवन के साथ अन्तरराष्ट्रीय आयोजनों में भी देश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिल चुका है।

आज के आयोजन में राष्ट्रीय भक्ति से जुड़े कई धुनों पर मनमोहक प्रस्तुति ने देश प्रेम से ओत प्रोत कर दिया। राष्ट्रीय धुनों में प्रमुख प्रस्तुति में टीम का नेतृत्व कर रहे सुबेदार मोतीलाल ने बदेमातम् एवं वतन तेरे लिए, देव शिवा वर मोहे, केसरी एवं संदेश आते हैं एवं सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तान हमारा जैसी गीत धुनों ने शानदार प्रस्तुति की। इसी ऋत्र में हवलदार अमर सिंह द्वारा राग भोपाली एवं कदम कदम बढ़ाये जाएं एक राग की



मनमोहक प्रस्तुति की। हवलदार सुरजीत सिंह द्वारा सर फरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है, एवं ताकत वतन की हमसे है की प्रस्तुति कर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया।

कार्यक्रम के अध्यक्षीय उद्घोषन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर रविशंकर सिंह ने भारतीय सेना के अभूतपूर्व बलिदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश की सीमाएं चहुओर सुरक्षित हैं। इसका श्रेय भारत की बलिदानी सेना को जाता है। भारतीय सेना के समर्पण एवं योगदान को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता।

कुमार वर्मा ने किया। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

धन्यवाद ज्ञापन अधिष्ठाता अत्र कल्याण प्रोफेसर नीलम पाठक ने किया। एवं संचालन इंजीनियर मनीषा यादव द्वारा किया गया। कार्यक्रम का समापन आर्मी बैंड पार्टी द्वारा जन गण मन की धून से किया गया। इस अवसर पर कुलसचिव उमानाथ, विज्ञ अधिकारी धनजय सिंह, उपकुलसचिव विनय कुमार सिंह, सहायक कुलसचिव मोहम्मद साहिल, प्रोफेसर अशोक शुक्ल, प्रोफेसर चयन कुमार मिश्र, प्रोफेसर एसएस मिश्र, प्रोफेसर आरके तिवारी, प्रोफेसर आरके सिंह,

डॉ नरेश चैधरी, डॉ गीतिका श्रीवास्तव, डॉ विजयेन्द्र चतुर्वेदी, डॉ श्रीश अस्थाना, डॉ राजेश सिंह कुशवाहा, डॉ आरेन पाण्डेय, डॉ अशुमान पाठक, डॉ महेन्द्र पाल सिंह, डॉ रामजी सिंह, डॉ निमिष मिश्र, डॉ संजीत पाण्डेय, इंजीनियर राजीव कुमार, डॉ अनिल विश्वा, देवेन्द्र वर्मा, डॉ कपिलदेव, डॉ आशुतोष पाण्डेय, डॉ करुणेश तिवारी, कर्मचारी संघ के राजेश पाण्डेय, डॉ राजेश सिंह, गिरीशचंद्र पंत, सुरेन्द्र प्रसाद, मनोज श्रीवास, केके मिश्र सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं।

भारतीय सेना से देश की सीमाएं चहुओर सुरक्षित: कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह

अवधनामा संबाददाता

अच्छा। डॉ रामगणोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानन्द सभागार में आज 16 जनवरी, 2021 को अपराह्न 12 बजे आमीं बैठ शो का आयोजन किया गया। द्वेषरा रेजीमेंट में स्थापित 17 वां 1877 ब्रिटिश आर्मी के समय का प्रतिष्ठित बैड माना जाता है। यह बैड संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी प्रतिष्ठित अन्तरराष्ट्रीय संगठनों में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुका है।

शौर्य गथा के इतिहास से समृद्ध इस बैड की रुचापना 1956 में लखनऊर सिंह द्वारा मेरठ में की गई थी। भारत के प्रतिष्ठित बैड द्वेषरा रेजीमेंट को राष्ट्रपति भवन के साथ अन्तरराष्ट्रीय आयोजनों में भी देश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिल चुका है। आयोजन में राष्ट्रीय भाकि से जुड़े कई घुनों पर मनमोहक प्रस्तुति ने देश प्रेम



से ओत प्रोत कर दिया। राष्ट्रीय धुनों में प्रमुख प्रस्तुति में टीम का नेतृत्व कर रहे सुवेदार मोतीलाल ने बदेमातरम् ए वतन तेरे लिए, देव शिवा वर मोहे, केसरी एवं सदैशे आते हैं एवं सारे जहां से अच्छा हिन्दौस्तान हमारा जैसी गीत धुनों ने शानदार प्रस्तुति की। इसी क्रम में हवलदार अमर सिंह द्वारा राग भोपाली एवं कदम कदम बढ़ाये जाएं एक राग की मनमोहक प्रस्तुति की। हवलदार सुरजीत सिंह द्वारा सर फरोशी की तमज्जा अब हमारे दिल में है, एवं

ताकत वतन की हमसे है की प्रस्तुति कर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम के अध्यक्षीय द्वारा धन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह ने भारतीय सेना के अभूतपूर्व बलिदान पर प्रकाश ढालते हुए कहा

कि देश की सीमाएं चहुओर सुरक्षित हैं। इसका श्रेय भारत की बलिदानी सेना को जाता है। भारतीय सेना के समर्पण एवं योगदान को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। कार्यक्रम का स्वागत प्रो. शैलेन्द्र कुमार वर्मा ने किया। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। धन्यवाद ज्ञापन अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक ने किया। एवं संचालन इंजीनियर मनीषा यादव द्वारा किया गया।